

CLASS -10 (HINDI)

संचयन

पाठ 3 - टोपी शुक्ला

लेखक - राही मासूम रज़ा

बोध-प्रश्न

1.इफ्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा किस तरह है ?

उत्तर- इफ्फ़न टोपी शुक्ला का पक्का दोस्त है। इफ्फ़न के बिना टोपी शुक्ला अधूरा है। टोपी शुक्ला की कहानी में इफ्फ़न जगह-जगह दिखाई देता है, बल्कि इफ्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का अटूट हिस्सा है। इफ्फ़न के बिना टोपी शुक्ला की कहानी कही ही नहीं जा सकती। दोनों विपरीत धर्मों के होते हुए भी अभिन्न मित्र हैं।

2.इफ्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं ?

उत्तर- इफ्फ़न की दादी एक ज़मींदार की बेटी थीं। वे वहाँ से दूध-घी खाती हुई आई थीं, परंतु लखनऊ(ससुराल) में आकर दही के लिए तरस गईं। अतः वे अपने पीहर जाना चाहती थीं। लखनऊ लौटकर तो उन्हें अपने मौलवी पति की मौलविन बन जाना पड़ता था। ससुराल में उनकी आत्मा बेचैन ही रहती थी। मरने लगी तो बेटे से कहा- “यदि तुम लोगों से हमारी लाश सँभाली न जाए तो हमारे पीहर भेज देना।”

3.इफ्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई ?

उत्तर- दादी एक मौलवी की बेगम थीं। मौलवी के घर में गाना-बजाना नहीं हो सकता था। बेटे की शादी के अवसर पर दादी का दिल भी गाने-बजाने के लिए फड़का, पर मौलवी के रहते, उनकी यह इच्छा पूरी न हो सकी। इफ्फ़न अपने

दादा के मरने के बाद पैदा हुआ था । अतः दादी ने इफ़्फ़न की छठी पर जी-भरकर जशन मनाया ।

4. 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तर- टोपी के मुँह से 'अम्मी' शब्द सुनकर उसके घरवालों के होश उड़ गए । उस समय वे खाने की मेज़ पर थे । 'अम्मी' सुनकर सबके हाथ वहीं रुक गए । टोपी की माँ रामदुलारी खाना परोस रही थी । वह क्रोधित होकर पूछने लगी - तुमने 'अम्मी' शब्द कहाँ से सीखा ? दादी भी गरजीं - 'ये अम्मी कहना तुमको किसने सिखाया है ? पिता, डॉ भृगुनारायण कुछ सोचकर गुस्सा पी गए । सुभद्रादेवी(दादी) उसी वक्त मेज़ से उठ गईं और रामदुलारी ने टोपी की बहुत पिटाई की ।

5. दस अक्टूबर सन पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्व रखता है ?

उत्तर- दस अक्टूबर सन 1945 का दिन टोपी के जीवन में यह महत्व रखता है कि इसी दिन उसके दोस्त इफ़्फ़न के पिता का तबादला हो गया और वे मुरादाबाद चले गए । यह तबादला इफ़्फ़न की दादी के मरने के थोड़े दिनों के बाद हुआ था । अतः टोपी अकेला पड़ गया । दस अक्टूबर 1945 को टोपी ने कसम खाई, कि वह अब ऐसे किसी लड़के से दोस्ती नहीं करेगा, जिसका बाप ऐसी नौकरी करता हो, जिसमें बदली होती रहती हो ।

6. टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही ?

उत्तर- टोपी की दादी का स्वभाव अच्छा न था । वे हमेशा टोपी को डाँटती-फटकारती रहती थीं । वे टोपी को इफ़्फ़न के घर जाने से भी रोकती थीं । दूसरी और इफ़्फ़न की दादी बहुत नरम स्वभाव की थीं जो बच्चों पर क्रोध करना नहीं जानती थीं, वे उसका बीच-बचाव भी करवा देती थीं । उनकी बोली भी टोपी को अच्छी लगती थी । यही कारण था कि टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात कही ।

7. पूरे घर में इफ्फन को अपनी दादी से विशेष स्नेह क्यों था ?

उत्तर- इफ्फन को अपनी दादी से विशेष स्नेह था । प्यार तो उसे अपने अब्बू, अम्मी तथा बाजी से भी था । अम्मी और बाजी तो कभी-कभार डाँट लिया करती थीं । अब्बू भी घर को कचहरी समझकर फैसला कर लिया करते थे, बस एक दादी ही ऐसी थीं, जिन्होंने कभी उसका दिल नहीं दुखाया । दादी रात को उसे कहानियाँ सुनाया करती थीं । दादी की भाषा भी इफ्फन को अच्छी लगती थी । यही कारण था कि इफ्फन को अपनी दादी से बहुत स्नेह था ।

8. इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा क्यों लगने लगा ?

उत्तर- टोपी को इफ्फन की दादी बहुत अच्छी लगती थीं । टोपी जब भी इफ्फन के घर जाता तो उसकी दादी के पास ही बैठने की कोशिश करता था । इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा लगता था । इसका कारण यह था कि अब टोपी के लिए इफ्फन के घर में कोई आकर्षण नहीं रह गया था । दोनों एक दूसरे के अकेलेपन को बाँटते थे ।

9. टोपी और इफ्फन की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे पर एक अनजान और अटूट रिश्ते में बंधे थे । इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए ।

उत्तर- टोपी हिंदू था और इफ्फन की दादी मुसलमान थीं । दोनों के मज़हब और जाति अलग थे फिर भी दोनों में अटूट रिश्ता था । दोनों आपस में प्रेम तथा स्नेह के रिश्ते में बंधे थे, दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे थे । हमारे विचार से यह संबंध सर्वथा उचित था । धर्म-जाति हृदय के बंधन में कोई रुकावट नहीं है । संबंध मानवीय आधार पर होते हैं । दूसरे सांप्रदायिकता की भावना मिट जाती है ।

10. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फ़ेल हो गया । बताइए -

(क) ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में फ़ेल होने के क्या कारण थे ?

(ख) एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावात्मक चुनौतियों का

सामना करना पड़ा ?

(ग) टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाए ?

उत्तर - (क)जब टोपी पहली बार फेल हुआ तब कारण यह था कि मुन्नी बाबू या रामदुलारी उससे कोई न कोई काम करवाते रहते थे । उसे पढ़ने का समय नहीं मिला । दूसरी बार उसे टाइफायड हो गया अतः पास न हो सका ।

(ख)एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठना टोपी को अच्छा नहीं लगता था । वह अपने पुराने साथियों के साथ ही खेलता था ।नए साथियों से उसकी दोस्ती नहीं हो सकी, उनके साथ क्लास में बैठना उसे अजीब लगता था । मास्टर जी उसका उदाहरण देकर अप्रत्यक्ष रूप से उसे प्रताड़ित करते थे ।

(ग)टोपी की परेशानियों को देखते हुए शिक्षा व्यवस्था में यह बदलाव आवश्यक है कि एक बार फेल होने के बाद उसे अगली कक्षा में बिठा दिया जाना चाहिए । पास-फेल शब्द को हटा देना चाहिए ।

11.इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया ?उत्तर-

इफ़्फ़न की दादी की मौत सिर पर थी अतः उन्हें यह याद नहीं रह गया कि अब उनका घर कहाँ है? घरवाले कराची चले गए थे ।उनके घर का कोई वारिस न था । अतः घर कस्टोडियन का हो चुका था ।